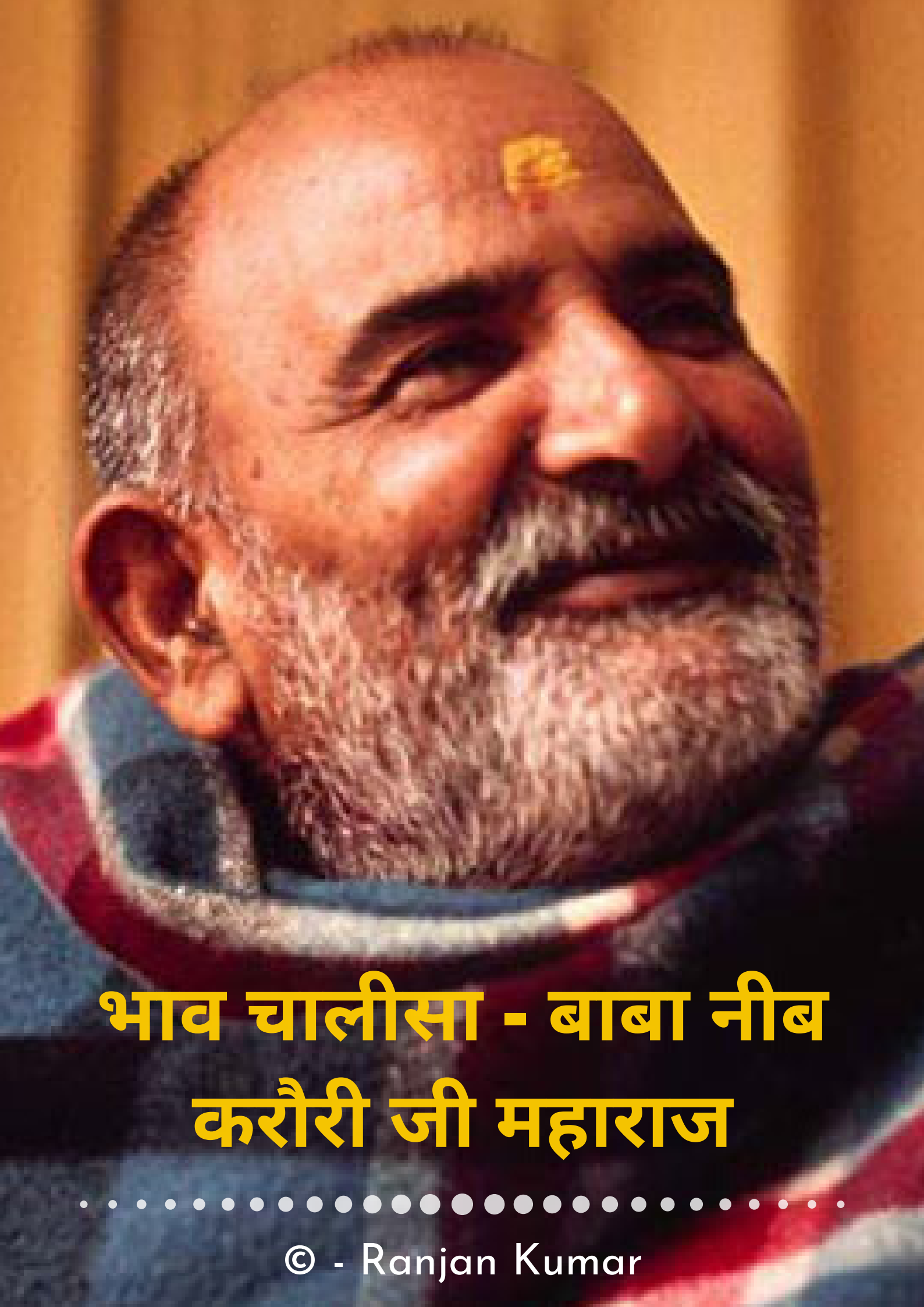

भाव चालीसा - बाबा नीब करौरी जी महाराज

© - Ranjan Kumar

RANJAN KUMAR ❤️ SE ..

करूँ श्री गुरु चरण रज वंदना,

इष्ट हनुमत ध्यान लगाय।

भाव चालीसा स्वीकारो प्रभु,

मेरा जन्म सफल हो जाय।

मेरे बाबा नीब करौरी वाले,

सब भक्तों के तुम रखवाले।

सबके संकट तुम हरते हो,

जीवन में खुशियाँ भरते हो।

बाबा तेरी यह कृपा निराली,

जिस ने तुझे जाना उसने पा ली।

तुम भक्तों के प्राण प्यारे,

तुम हो अनोखे तुम हो न्यारे।

भक्तों ने जब भी तुम्हें पुकारा,

तुमने सब संकट है टारा।

संकट मोचन तुम सदा कहाते,

डूबती नैया पार लगाते।

ओ कैंची-धाम में रहने वाले,

सब संकट को तुम हरने वाले।

भक्तों के लिए तुम सुख के सागर,

भर देते हो खाली गागर।

तुमने सबको यह था दिखलाया,

यह प्रकृति तेरी ही माया।

तेरी महिमा को उसने ही जाना,

तुमने जिसको चाहा बताना।

तेरे अन्दर ब्रम्हांड बसा है,

प्रकृति पर भी तेरा कब्जा है।

तुमने कई बार ये लीला की थी,

लीलाओं में भी चुहल भरी थी।

बिरलों को खेल समझ यह आए,

और दुनिया की बुद्धि भरमाये।

तुम भक्तों के प्राण कहाते,

उन भक्तों पर ही कृपा लुटाते।

भक्तों के तुम प्राण आधारा,

जान रहा ये सकल संसारा।

बरसती कृपा उन सब पर तेरी,
ली हनुमान-गढ़ी चरणों की जो धूरी।

तेरा वह कैंची धाम निराला,

तुम अब भी बसते वहीं ओ दीनदयाला।

भटक रही थी जब यह जीवन नैया,

मेरे बाबा तुम्हीं बने खिवैया।

तूने कष्टों को मेरे हरा है,

इस जीवन को तूने धन्य करा है।

तुमने भिक्षुक के वेश बनाए,

मेरे द्वार तलक तक तुम दौड़े आए।

तुमसा कौन है इतना दीन दयालु,

दया के सागर तुम हो कृपालु।

बासी रोटी मांग के खाने आए,

यह सेवा ले कृपा बरसाए।

भक्तों के निमित तुम दौड़े आते,

तभी तो दया निधान कहलाते।

बारंबार है तुमसे विनती,

करना न मेरे भूलों की गिनती

हूँ नादान मैं बालक तेरा,

मुझमें है अवगुणों का डेरा।

मुझको भक्ति करना कब आया,

तुम हो जिसने मुझको अपनाया।

चरणों से मुझे लगाये रखना,

इतना ही है अब तुमसे कहना।

सबको सेवा और प्रेम सिखाने वाले,

तुम प्रेम सुधा बरसाने वाले।

श्री राम नाम से खुश होते हो,

सभी अमंगल तुम हरते हो।

कितने हनुमत मंदिर बनवाए,

भक्ति गंगा कोने-कोने में बहाए।

जो आज भी जा कर लेता दर्शन,

हो जाता है मन उसका चंदन।

तुम मौज में अपनी विचरते आए,

भक्तों के बीच महाराज कहाए।

दर पर तेरे जो शीश नवाए,

जन्मों की भक्ति सहज पा जाए।

मुझ अज्ञानी की तुम विनती सुनलो,

भावांजलि मेरे बाबा सुनलो।

यह भाव चालीसा करलो स्वीकार,

जो भी इसे गाये उसे देना प्यार।

बाबा तुमसे अब और क्या कहना,

विनती सुनना और देर न करना।

जो भी दर पर तेरे आ जाए,

सुख शांति वह मन की पाए।

इतनी सी अरज चरणों में तेरे,

मैं पुत्र तेरा तुम बाबा मेरे।

जीवन रंजन का धन्य हो जाए,

बस रखे रहो चरणों से लगाए।

सब भक्तों की विनती सुन लेना,

सन्मति सद्गति सबको दे देना।

नमन तुम्हारे चरण को,

करूँ मैं बारंबार।

बाबा बरसाते रहना,

भक्तों पर अपना प्यार।

RANJAN KUMAR ❤️ SE ..

This Bhav-Chalisa, written by Ranjan kumar is a copyrighted piece of content reserved with Insight Spirituality and hellobareilly.in

Reproducing, recording or publishing it anywhere in public domain without prior permission can lead to legal actions.

Ranjan Kumar